NT>

Title: Need for a discussion in the Lok Sabha by the Ahloowalia Committee set up by the Labour Commission.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, देश में बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ रही है। इस सरकार को बेरोजगारी दूर करने के लिए जो सार्थक प्रयास करने चाहिए थे वे प्रयास सरकार ने नहीं किए। 1998 में लाल किले की प्राचीर से प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि हम एक वर्ा में एक करोड़ लोगों को रोजगार देने के अवसर मुहैया कराएंगे। पिछले साल राट्रपति जी ने अपने अभिभाण में, जो एक तरह से सरकार का ही भाण होता है और जिसे सरकार का वायदा कहा जाता है, उसमें बेरोजगारी दूर करने की बात कही थी, लेकिन इस वर्ा बजट भाण में बेरोजगारी दूर करने के नाम पर एक शब्द भी नहीं कहा।

उपाध्यक्ष महोदय, मौंटैक सिंह अहलूवालिया की अध्यक्षता में इस सरकार ने एक कमेटी बनाई और कहा कि हम नए रोजगार सृजन के प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अहलूवालिया कमेटी की रिपोर्ट सरकार की इस रोजगार सृजन की भावना के बिलकुल विपरीत है।

उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने दो वर्ा पूर्व दूसरे श्रम आयोग का गठन किया था और उससे यह आशा की थी कि देश में नए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, लेकिन इस आयोग की जो रिपोर्ट आई है वह बेरोजगारी की दिशा में सार्थक प्रयास करने वाली नहीं है बल्कि बेरोजगारी बढ़ाने वाली है। इस आयोग की सिफारिशों से मालिकों के स्वार्थ-सिद्ध होंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, आर्थिक सुधार के नाम पर जो कुछ देश में हो रहा है, उस से आप भलीभांति जानते हैं कि बेरोजगारी की समस्या अत्यन्त गम्भीर हो गई है। दूसरे श्रम आयोग की जो रिपोर्ट आई है वह खतरनाक और मजदूर विरोधी है। मेरी मांग है कि इस पर सदन में चर्चा कराई जाए।